

कँसर की दवाएँ टिस्लेलिजुमैब और ज़ानुब्रुटिनिब

स्रोत: द हिंदू

भारत को टिस्लेलिजुमैब (Tislelizumab) और ज़ानुब्रुटिनिब (Zanubrutinib) नाम की दो नई कैंसर दवाएँ प्राप्त होने वाली हैं।

- टिस्लेलिजुमैब, एक नई इम्यूनोथेरेपी दवा, उन्नत **एसोफेजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा** (कँसर जो अन्नप्रणाली के अंदर की पतली, सपाट कोशिकाओं में बनता है) के इलाज में प्रभावशीलता दिखा रही है।
- ज़ानुब्रुटनिबि नामक देवा ब्रूटन टायरोसिन कीनेज़ (Bruton's Tyrosine Kinase- BTK) नामक प्रोटीन को नियंत्रति करती है, जो कुछ कँसरग्रस्त रक्त कोशिकाओं के विकास और अस्तित्व के लिये आवश्यक है।
 - ॰ इसे विशिषिट परकार के **रकत कँसर** के उपचार के लिये अनुमोदित किया गया है।
- यह कुँसर रोगों के एक समूह को संदर्भित करता है जोशरीर में असामान्य कोशिकाओं के अनियंत्रित प्रसार से होता है, जो स्वस्थ ऊतकों और अंगों में नुकसान पहुँचा सकते हैं।
- वर्ष 2019 में भारत में 1.2 मिलियन कैंसर के नए मामले और लगभग 930,000 मौतें हुईं, जिससे यह उस वर्ष एशिया में इस बीमारी में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकरत्ता बन गया।
 - ॰ <u>भारतीय चिकितिसा अनुसंधान परिषद</u> के अनुसार, देश में कैंसर के मामले वर्ष 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है।





Cancer is a leading cause of death worldwide, accounting for nearly 10 million deaths in 2020, or nearly 1 in 6 deaths.



Around 1/3rd of deaths from cancer are due to-



- Cancer-causing infections, such as human papillomavirus (HPV) and hepatitis, are responsible for approximately 30% of cancer cases in low-and lower-middle-income countries.
- Many cancers can be cured if detected early and treated effectively.

और पढ़ें: <u>कँसर का वैश्विक प्रभाव: WHO |</u>

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cancer-drugs-tislelizumab-and-zanubrutinib